CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729
दैनिक
मरुधर विशेष
Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665
अंक 02/98 | जयपुर | 27 अप्रैल /2025 | रविवार | मूल्य रु 5 | पृष्ठ: 04

एक्वा बीमा को बढ़ावा देने 255 करोड़ की मत्स्य पालन परियोजनाओं का उद्घाटन कल

मत्स्य पालन विभाग 28 को मुंबई में तटीय राज्यों की बैठक-2025 की मेजबानी करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत मत्स्य पालन विभाग 28 अप्रैल को मुंबई के होटल ताज महल पैलेस में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय की अध्यक्षता में तटीय राज्यों की बैठक का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और राज्य मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के जॉर्ज कुरियन भी भाग लेंगे।

मुंबई के होटल ताज महल पैलेस में आयोजन

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह समुद्री मत्स्य पालन जनगणना अभियान का शुभारंभ करेंगे

मत्स्य पालन क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा

राजीव रंजन धानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 255.30 करोड़ के परिव्यय के साथ 7 तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। यह तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मत्स्य पालन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह समुद्री मत्स्य पालन को मजबूत करने और समुद्री मत्स्य पालन जनगणना संचालन, कछुआ बहिष्करण उपकरण परियोजना और पोत संचार और सहायता प्रणाली के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी करने सहित स्थायी प्रणालियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों की भी शुरुआत करेंगे।

तटीय मछली पकड़ने वाले गांवों को प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे

इस अवसर पर उत्कृष्ट सहकारी समितियों, एफएफपीओ, मत्स्य पालन स्टार्ट-अप और जलवायु-अनुकूल तटीय मछली पकड़ने वाले गांवों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। लाभार्थियों को एक्वा बीमा प्रमाण पत्र और किसान क्रेडिट कार्ड भी प्राप्त होंगे।

कई तकनीकी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे

तटीय राज्यों की बैठक 2025 में समुद्री मत्स्य पालन प्रशासन को मजबूत बनाने सहित प्रमुख तकनीकी सत्र- समुद्री मत्स्य पालन विनियमन अधिनियम , निगरानी, नियंत्रण और निगरानीाँ और समुद्री सुरक्षा को एकीकृत करना; मॉडल समुद्री कृषि एसओपी; पोत संचार और सहायता प्रणाली की मानक संचालन प्रक्रिया; निर्यात संवर्धन प्रसंस्करण, मूल्य श्रृंखला और गुणवत्ता सुधार और समुद्री कैप्चर मत्स्य पालन में ट्रेसेबिलिटी और प्रमाणन को बढ़ावा देना भी शामिल होंगे।

राज्यों के ये मंत्री भी होंगे शामिल

इस सम्मेलन में महाराष्ट्र के मत्स्य पालन मंत्री नितेश नीलम नारायण राणे, गुजरात के मत्स्य पालन मंत्री राघवजीभाई पटेल, गोवा के मत्स्य पालन मंत्रीनीलकंठ हलारंकर, कर्नाटक के मत्स्य पालन मंत्री मनकाला एस वैद्य, आंध्र प्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री किंजरापु अच्चानायडू, ओडिशा के मंत्री गोकुलानंद मलिक रहेंगे।

समुद्री मत्स्य पालन को और मजबूत करने का लक्ष्य रखा

इन सत्रों का उद्देश्य समुद्री मत्स्य पालन को मजबूत करने, सुरक्षा सुनिश्चित करने, टिकाऊ समुद्री कृषि को बढ़ावा देने और निर्यात क्षमताओं में सुधार करने के लिए नीति की व्यावहारिक समझ और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना है। कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसका योगदान अहम

भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र ग्रामीण आजीविका को सहारा देने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने में अहम भूमिका है। विशाल समुद्र तट और 2.02 मिलियन वर्ग किलोमीटर के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के साथ भारत में समृद्ध समुद्री संसाधन है।

खबर संक्षेप

मुंबई में आग से एक महिला की मौत, 6 भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के अंधेरी उपनगर स्थित आवासीय परिसर के एक अपार्टमेंट में शुक्रवार रात 2.40 बजे आग लगने से एक महिला की मौत हो गई तथा 2 बच्चों सहित छह अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में 8 मंजिला 'ब्रोक लैंड' इमारत की पहली मंजिल पर फ्लैट में आग लगी। अभिना संजनवाला की मौत हो गई।

झांसी जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में आग

झांसी। यहां शनिवार शाम जिला अस्तपाल के बच्चा वार्ड की छत पर शार्ट सर्किट से आग भड़क उठी। आग की लपटें देखकर वहां चीख-पुकार मच गई। जिनके बच्चे वार्ड में भर्ती थे, वे बच्चों को लेकर बाहर भागने लगीं। अस्पताल प्रशासन ने आग बुझाने की कोशिश की। दमकल की गाड़ियां भी बुला ली गईं। करीब आधे घंटे में काबू पाया जा सका।

देवबंद में विस्फोट से 3 युवकों की मौत

देवबंद। यहां शनिवार सुबह करीब 6 बजे एक पटाखा फैक्टरी में जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट के समय फैक्टरी के अंदर कई लोग मौजूद थे, हादसे में तीन युवकों की मौत हुई है। डीएम मनीष बंसल ने तीन लोगों के मरने की पुष्टि की है। इसमें राहुल उर्फ काका, विशाल और विकास निवासी जड़ौदा जट शामिल हैं।

सेलम में पटाखों में विस्फोट से 4 नहीं रहे

सेलम। तमिलनाडु में सेलम जिले के कंजनाइकेनपट्टी गांव में शुक्रवार देर रात एक मंदिर के पास दुर्घटनावश पटाखों में विस्फोट होने से 2 बच्चों समेत 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। सीएमएम के स्टालिन ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए 3-3 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

असम में 'पाक समर्थक' पोस्ट में 9 गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान समर्थक रुख अपनाने के आरोप में राज्य में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जिससे राज्य में इस तरह के मामलों में गिरफ्तार लोगों की संख्या 9 हो गई है। उन्होंने बताया कि नवीनतम गिरफ्तारी शुक्रवार रात श्रीभूमि जिले में की गई।

प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 47 केंद्रों से जुड़े

'विकसित भारत' के निर्माण में युवाओं का किया आह्वान, 51, 236 नियुक्ति पत्र दिए

रोजगार मेले का आयोजन

देश के युवा विकास में शामिल होंगे तो तरक्की भी होगी पक्की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 15वें रोजगार मेला कार्यक्रम में 51,236 नव-नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह कार्यक्रम वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आयोजित किया गया। यह देशभर के 47 केंद्रों से जुड़ा रहा। पीएम मोदी ने नए कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि अब वे भारत की अर्थव्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि आपकी लगन जितनी अधिक होगी, हम उतनी तेजी से विकसित भारत की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने युवाओं की ताकत पर जोर देते हुए कहा कि जब देश के विकास में युवा भागीदार बनते हैं, तो तेजी से तरक्की होती है। उन्होंने 'स्किल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने नवाचार, स्वरोजगार और तकनीकी नेतृत्व को बढ़ावा दिया है। डिजिटल क्रांति में भारत की उपलब्धियों को उजागर करते हुए पीएम मोदी ने युवाओं की मेहनत को श्रेय दिया।

'मैन्युफैक्चरिंग मिशन' का किया जिक्र

पीएम ने केंद्रीय बजट में घोषित 'मैन्युफैक्चरिंग मिशन' की भी चर्चा की, जो 'मेक इन इंडिया' अभियान को गति देगा और युवा उद्यमियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले उत्पाद बनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि ऑटोमोबाइल, फुटवियर, खादी और कुटीर उद्योग जैसे क्षेत्रों में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है और खादी का कारोबार अब 1.7 लाख करोड़ से अधिक हो गया है।

आइए, हम सब मिलकर 'विकसित' और 'समृद्ध' भारत बनाएं

पीएम ने कहा कि हम सब मिलकर एक 'विकसित' और 'समृद्ध' बनाएं। ये नई नियुक्तियां गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, राजस्व विभाग और उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालयों और संगठनों में की गई हैं। अक्टूबर 2022 से अभियान के तहत अब तक 10 लाख से अधिक स्थायी सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। पहले मेले में 75,000 और दिसंबर 2023 में आयोजित 14वें मेले में 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए गए थे।

आज जलमार्गों की संख्या बढ़कर हो गई 110

पीएम ने बताया कि जलमार्गों से माल ढुलाई 2014 में 18 मिलियन टन से बढ़कर आज 145 मिलियन टन हो गई है और राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या 5 से बढ़कर 110 हो गई है।

एआई और नए मीडिया क्षेत्र युवाओं के लिए बड़े अवसर होंगे

पीएम ने मुंबई में 2025 में होने वाले 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन एआई और नए मीडिया क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर खोलेगा।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की प्रशंसा भी की

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की प्रशंसा करते हुए पीएम मोदी ने हालिया यूपीएससी परीक्षा परिणामों का जिक्र किया, जिसमें शीर्ष दो स्थान महिलाओं ने हासिल किए।

'मन की बात' का 121वां एपिसोड आज

'नमन परिवार' को समर्पित होगा यह कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम के 121वें एपिसोड में इस रविवार झारखंड को विशेष प्रतिनिधित्व मिलने जा रहा है। पूर्वी भारत के बिहार, बंगाल, उड़ीसा और झारखंड में से इस बार जमशेदपुर स्थित नमन परिवार को इससे सीधे जुड़ने का गौरव प्राप्त हुआ है। देशभर में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की अलख जगाने वाले नमन परिवार के सदस्य 27 अप्रैल के पूर्वाह्न 11 बजे प्रधानमंत्री के विचारों को सामूहिक रूप से सुनेंगे और साथ ही शहीद परिवारों एवं पूर्व सैनिकों को समर्पित एक विशेष आयोजन का भी हिस्सा बनेंगे। यह आयोजन साकची काशीडीह स्थित नमन कार्यालय में होगा, जहां नमन के सदस्यगण, पूर्व सैनिक, युवा और समाजसेवी एकत्रित होंगे। देश के रक्षार्थ अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों का सम्मान और उनके परिवारजनों के साथ एक आत्मीय संवाद कार्यक्रम का केंद्र बिंदु होगा।

नूंह में एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

7 सफाई कर्मचारियों की मौत व 4 गंभीर घायल

एजेंसी ▶▶ नूंह

जिले में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर इब्राहिमबास गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सफाई कार्य में जुटे कर्मचारियों को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में 6 सफाई कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पांच अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सफाई करने वाले 11 कर्मचारियों में 10 महिलाएं और एक पुरुष था। जिनमें से छह महिलाओं की मौके पर मौत हो गई और पांच लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां एक और सफाईकर्मी ने दम तोड़ दिया। हादसे में कुल 7 लोगों की मौत हो गई है। चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

एक्सप्रेसवे पर सफाई कार्य किया जा रहा था

हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ, जब करीब 11 सफाई कर्मचारी एक्सप्रेस-वे पर सफाई कार्य कर रहे थे। अचानक आई तेज रफ्तार पिकअप ने इन कर्मचारियों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 कर्मचारियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल पांच कर्मचारियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक और कर्मचारी की मौत हो गई। घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है।

शवों के टुकड़े हो गए

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। देखते ही देखते सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई। एंबुलेंस, रोड सुरक्षा एजेंसी के वाहन और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। हादसे की भयावहता ऐसी थी कि आसपास के लोग स्तब्ध रह गए। कई शवों के टुकड़े अलग-अलग हो गए। लोग इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त कर रहे हैं और मृतकों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग भी उठाई है।

केजीएमयू में मजार के पास अतिक्रमण हटाने के दौरान बवाल

पुलिस और डॉक्टरों पर किया पथराव कई थानों की फोर्स मौके पर मौजूद

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में शनिवार की सुबह बड़ा बवाल हो गया।

अस्पताल परिसर के अंदर बनी मजार के पास अतिक्रमण हटाने के दौरान चिकित्सकों की टीम और पुलिस पर पथराव किया गया। सूचना अन्य चिकित्सकों तक पहुंची तो बड़ी संख्या में डाक्टर समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। कई थानों की फोर्स भी मौके पर है।

अस्पताल परिसर के अंदर बनी मजार का मामला

अतिक्रमणकारियों ने किया पथराव, दो डॉक्टर घायल

शनिवार की सुबह केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग के पिछले हिस्से में बनी हजरत कवामुद्दीन हाजी हरमैन साहब की मजार के आसपास किए गए बड़ी संख्या में अतिक्रमण और कब्जे को हटाने के लिए चिकित्सकों की टीम पुलिस के साथ पहुंची थी। इस बीच अंदर मौजूद अतिक्रमणकारियों ने टीम पर पथराव कर दिया। घटना में दो चिकित्सकों के घायल होने की सूचना भी है। बवाल की सूचना पर बड़ी संख्या में चिकित्सक और कई थानों की फोर्स भी मौके पर पहुंच गई। किसी को भी मजार के पास जाने से रोक दिया गया है। उधर बवाल की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए।

ईडी की कार्रवाई

गोवा में 1,000 करोड़ का भूमि घोटाला मिला

पणजी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों में उच्च मूल्य की जमीनों का कथित रूप से धोखाधड़ी से हस्तांतरण करने संबंधी 1,000 करोड़ के भूमि घोटाले के सिलसिले में गोवा में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी और उसके बाद की वित्तीय जांच के आधार पर गुरुवार और शुक्रवार को छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला कि रोहन हरमलकर मुख्य साजिशकर्ता है।

मेरठ में पहलगाम हमले का विरोध

मेरठ। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में संयुक्त व्यापार संघ द्वारा आहूत बंद के दौरान शनिवार को मेरठ में लोग विरोध मार्च में हिस्सा लिया।

हैदराबाद में राहुल ने सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

आज विपक्ष से संवाद नहीं, कुचलने का प्रयास हो रहा

भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हैदराबाद में भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ साल पहले कांग्रेस पार्टी खुद को पूरी तरह से फंसा और अलग-थलग महसूस कर रही थी। उन्होंने कहा कि नई राजनीति जो आक्रामक है और जहां विपक्ष से संवाद नहीं बल्कि उसे कुचलने का प्रयास होता है, उसने हमारे सभी रास्ते बंद कर दिए। मीडिया और माहौल दोनों ने हमें स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की खूब सराहना भी की।

सरकार डर और नफरत में हमें हर बार हरा देगी

राहुल गांधी ने बताया कि इसी स्थिति में कांग्रेस ने अपने इतिहास में झांका और कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालने का फैसला किया. उन्होंने कहा कि इस यात्रा से मैंने दो बातें सीखी। पहली- हमारे विरोधियों के पास गुस्सा, डर और नफरत पर एकाधिकार है। हम उनसे इस मैदान पर कभी मुकाबला नहीं कर सकते। वे गुस्से, डर और नफरत में हमें हर बार हरा देंगे। राहुल ने कहा कि अब सवाल ये है कि कांग्रेस को किस जगह और किस भावना से काम करना चाहिए और कैसे एक मजबूत जवाबी नैरेटिव खड़ा किया जा सकता है?

सीएम रेड्डी ने गिनाईं उपलब्धियां

इससे पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भारत समिट में कहा कि तेलंगाना एक समृद्ध इतिहास, अनूठी संस्कृति और परंपराओं की भूमि है। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे छात्रों, श्रमिक संगठनों, किसानों और महिलाओं के नेतृत्व में लंबे संघर्ष के बाद तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग राज्य बनने के बाद भी लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकीं। कांग्रेस पार्टी को सत्ता सौंपते हुए जनता ने उम्मीद जताई थी कि उनके सपने साकार होंगे और उनकी सरकार अब इन सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में 20,617 करोड़ के कृषि ऋण माफ़ किए गए।

नड्डा ने की गणपति की पूजा-अर्चना

पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों को मुंहतोड़ जवाब देंगे

एजेंसी ▶▶ पुणे

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि भारत पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को 'करारा' जवाब देगा। इस सप्ताह की शुरुआत में हुए हमले में 26 लोगों की मौत गई थी। श्रीमंत दगडूशेठ गणपति की पूजा-अर्चना करने के बाद यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में नड्डा ने कहा कि पूरा देश उम्मीद करता है कि पीएम नरेंद्र मोदी इस हमले का कड़ा जवाब देंगे। नड्डा ने कहा कि मैं यहां गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने आया हूं। जिस तरह से जम्मू-

कश्मीर में कायरतापूर्ण हमला हुआ, उससे पूरा देश गुस्से में है। उन्होंने कहा कि वह आशीर्वाद मांगते हैं कि देश स्थिति का मजबूती से सामना करे। मुझे विश्वास है कि गणेशजी के आशीर्वाद से देश इस कठिन समय से गुजर जाएगा और पीएम मोदी के नेतृत्व में जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब दिया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में काफी आक्रोश है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि आतंकी हमले को अंजाम देने वाले व उसे प्रायोजित करने वाले को कड़ा सबक सिखाया जाय। सरकार ने इस दिशा में एक्शन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में जहां आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, वहीं सरकार पाकिस्तान के खिलाफ भी प्रतीकात्मक व क्रियात्मक एक्शन ले रही है। सिंधु जल संधि के निलंबन से लेकर पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं, उच्चायोग में कर्मियों की कटौती की गई है, अटारी व वाघा सीमा से ट्रेड बंद किए गए हैं, हालांकि ये पहले से ही बंद जैसे हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने हमलावर आतंकियों व इसके साजिशकर्ताओं को कल्पना से अधिक कड़ी सजा देने की बात कही है। आज इसकी जरूरत भी है। द रेजिसटेस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम में आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है, टीआरएफ पाकिस्तान स्थित आतंकी गुट लश्करे तैयबा की ही शाखा है, ऐसे में इस आतंकी हमले में भी पाकिस्तान के तार जुड़ रहे हैं। पाक अधिकृत कश्मीर में पाक फौज व आईएसआई के कई आतंकी प्रशिक्षण ठिकाने हैं। पीछे सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक भी इसी क्षेत्र के आतंकी ठिकानों पर हुए थे। आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए भारत का पीओके पर कब्जा जरूरी है। टेरर के खिलाफ एक्शन पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

पीओके पर कब्जे से टूटेगी आतंक की कमर

कूटनीति

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

पहलगाम नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और परिपोषित जिहादी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में अंजाम दिया गया नृशंस हत्याकांड कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का ज्वलंत प्रश्न वस्तुतः एक बार फिर से राष्ट्रीय पटल पर आ गया है। इस नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? आखिरकार कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

कश्मीर के ज्वलंत प्रश्न पर भारत और पाक के मध्य चार भीषण युद्ध लड़े गए, जिनमें पाक फौज पराजित हुईं, किंतु कश्मीर विवाद यथास्थान खड़ा है। आक्रामक युद्धों में शिकस्त खाने के पश्चात पाक हुक्मरानों ने कश्मीर पर आधिपत्य स्थापित करने की खातिर जिहादी दहशतगर्दों के द्वारा प्राक्सी वार संचालित करने की रणनीति अख्तियार की। विगत 36 वर्षों से निरंतर जारी प्राक्सी वार द्वारा प्रदत्त जख्मों को भारत निरंतर झेलकर अपने तकरीबन 45 हजार सैनिकों और अफसरों का बलिदान दे चुका है। यूं तो कश्मीर की सरजमीं पर तकरीबन एक लाख से अधिक इंसान अपनी जान गवां चुके हैं। आखिरकार क्या निदान है कश्मीर विवाद का और पाकिस्तान द्वारा प्रेषित परिपोषित जिहादी आतंकवाद का?

प्रॉक्सी वार कर रहा पाकिस्तान

भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के तत्पश्चात ही पाक हुकूमत द्वारा कश्मीर को सैन्य शक्ति द्वारा हथियाने की बाकायदा संगीन कोशिश अंजाम दी गई। जबकि पश्तुन कबाईली हमले का नकाब धारण करके मेजर जनरल अकबर अली खान के नेतृत्व में पाक फौज द्वारा ऑपरेशन गुलमर्ग के तहत रियासत कश्मीर पर 22 अक्टूबर 1947 को सैन्य धावा बोला गया। जम्मू कश्मीर रियासत के महाराजा हरि सिंह की छोटी सी सेना ताकतवर पाक फौज के आक्रमण का मुकाबला करने में नाकाम सिद्ध हुई। अंततः महाराजा हरि सिंह ने तत्काल प्रभाव से 26 अक्टूबर 1947 को संपूर्ण जम्मू कश्मीर रियासत का भारत के साथ संविलयन करने के लिए बाकायदा विलयपत्र पर दस्तखत कर दिए। भारतीय फौज आक्रमणकारी पाकिस्तानी फौज़ को जबरदस्त शिकस्त देते हुए निरंतर गति से आगे बढ़ रही थी और अपनी विजय पताका फहराती हुई उरी इलाके तक पहुंच गई थी, जहां से पाक अधिकृत कश्मीर का मुजफ्फराबाद इलाका कुछ ही घंटे की दूरी पर स्थित था। विजय पताका लहराती हुई भारतीय सेना को यकायक युद्ध विराम करने का आदेश भारत की केंद्रीय हुकूमत द्वारा दिया गया। भारत की तत्कालीन अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू कश्मीर विवाद को संयुक्त राष्ट्र में ले गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जम्मू कश्मीर में जनमत संग्रह आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया। पाकिस्तान की हठधर्मिता के कारण जम्मू-कश्मीर में कभी संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में जनमत संग्रह नहीं आयोजित किया जा सका। 1988 से पाक हुकूमत ने कश्मीर पर बलपूर्वक आधिपत्य स्थापित करने के लिए प्रॉक्सी वार का संचालन प्रारंभ किया।

आर्टिकल 370 को निरस्त किया

वर्ष 2019 में भारत सरकार में जम्मू कश्मीर प्रांत के लिए भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त आर्टिकल 370 को निरस्त किया। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा यह दावा पेश किया गया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने से कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का स्वतः सफाया हो जाएगा। मोदी सरकार द्वारा नोटबंदी अंजाम दी गई और दावा किया गया कि भारत में सक्रिय आतंकवादी गिरोहों की कमर टूट जाएगी। नोटबंदी से आतंकवादियों की कमर तो कदाचित नहीं टूट सकी, छोटे व्यापारियों की कमर जरूर टूट गई। कश्मीर में आतंकवाद निरंतर सक्रिय बना रहा, किंतु उसकी घातक क्षमता में किंचित मात्र कमी जरूर आई। मंगलवार 22 अप्रैल को पहलगाम में जो अत्यंत बर्बर और नृशंस वारदात अंजाम दी गई, इसे विगत 10 वर्षों में सबसे विकट और घातक आतंकवादी हमला करार दिया जा रहा है। इस वारदात के बाद भारत सरकार की कश्मीर नीति पर अनेक तल्ख़ प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। वर्ष 2014 में सत्तासीन होते ही नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का सफाया करने का जबरदस्त वादा पेश किया गया था। भारत की केंद्रीय हुकूमत ने ऐलान किया था कि आर्टिकल 370 के समापन के बाद भारत के सभी प्रांतों के लोग जम्मू-कश्मीर में अब जमीन खरीद सकते हैं, अपने उद्योग धंधे स्थापित कर सकते हैं, अपने घरों का निर्माण कर सकते हैं।

नागरिकों को कड़ी सुरक्षा का दावा

भारत सरकार की कश्मीर नीति का सबसे आवश्यक ऐलान रहा है कि कश्मीर घाटी में पर्यटन को बढ़ावा प्रदान करना है और साथ ही भारतीय नागरिकों को कड़ी सुरक्षा प्रदान करनी है। यकीनन कश्मीर घाटी में पर्यटकों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि होने का दीदार हुआ। विगत वर्ष 2024 में तकरीबन 35 लाख पर्यटक कश्मीर घाटी में पधारे। कश्मीर की सरजमीं पर बॉर्डर टूरिज्म का भी आगाज़ किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से कश्मीर में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर की जबरदस्त तामीरें अंजाम दी गई। अनेक शानदार बड़े टनल निर्मित किए गए। जम्मू कश्मीर के अत्यंत दुर्गम इलाकों को आपस में संबद्ध करने का अत्यंत दुरूह काम अंजाम दिया गया। इसी वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनमर्ग टनल का उद्घाटन किया जोकि सोनमर्ग को गगनगिरी से संबद्ध करता है। जम्मू-कश्मीर में ऊंची तालीम प्रदान करने के लिए अनेक संस्थानों का निर्माण किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से यह पैगाम दिया गया कि कश्मीर में अब खौफ ओ दहशत का दौर खत्म हो गया है। भारतीय हुकूमत निरंतर दावा पेश करती रही कि कश्मीर में हालात सामान्य हो गए हैं और जिहादी दहशतगर्दी पर कठोर नियंत्रण स्थापित कर लिया गया है। भारत को एकजुट रखने के लिए केंद्रीय हुकूमत में शासन करने वाली पार्टी को अपनी ध्रुवीकरण और विभाजनकारी नीतियों का पूर्णतया परित्याग भी करना होगा। जिहादी आतंकवादी तो मजहब को आधार बनाकर मारने से पहले नाम पूछेंगे ही, क्योंकि पाकिस्तान का निर्माण ही मजहब के आधार पर हुआ है। यक्ष प्रश्न यह है कि हम भारतीय क्या कर रहे हैं ? पहलगाम क्षेत्र से जहां पर यह दुर्भाग्यपूर्ण आतंकवादी घटना अंजाम दी गई, भारतीय सेना की सुरक्षा हटा ली गई थी और तकरीबन डेढ़ वर्ष पूर्व जम्मू-कश्मीर पुलिस को इस क्षेत्र की समस्त सुरक्षा सौंप दी गई थी। एक ज्वलंत तथ्य पोनी घोड़ा चलाने वाला एक शख्स जो कि मजहब से मुसलमान था, उसने एक आतंकवादी से राइफल छीन लेने के प्रयास में अपनी जान दे दी। पहलगाम में तकरीबन दो हजार पर्यटकों की भीड़ को सुरक्षा देने वाला एक भी पुलिसकर्मी विद्यमान नहीं था। पाकिस्तान के दहशतगर्द जिहादी शर्मनाक और नृशंस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद मौका ए वारदात से बिना किसी मुकाबले के फरार हो गए।

आतंकवादी हमले का मिला था इनपुट

इंटेलिजेंस के रॉबिनहुड कहे जाने वाले नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजित डोभाल कितने नाकाम सिद्ध हुए। पुलवामा की तरह पहलगाम में इंटेलिजेंस का इनपुट था कि आतंकवादी हमला अंजाम दिया जा सकता है, किंतु केंद्रीय हुकूमत ने इस पर कोई तवज्जो प्रदान नहीं की। आखिरकार वही हुआ जो कि नहीं होना था। वर्ष 2019 में आर्टिकल 370 को निरस्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में पहली दफा कश्मीर घाटी का दौरा किया। नरेंद्र मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा लोकसभा चुनाव से कुछ वक्त पहले संपन्न हुआ था। श्रीनगर की एक बड़ी आम सभा में जोरदार तकरीर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरमाया था कि कश्मीरी आजादी की सांस ले रहे हैं उन्होंने आगे फरमाया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने के बाद कश्मीर की प्रगति और समृद्धि नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी तकरीर में आगे कहा कि वर्षों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने आर्टिकल 370 के विषय में जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र के लोगों को भरमाया और बरगलाया। भारतीय हुकूमत के प्रधानमंत्री के तमाम दावों के बावजूद कश्मीर की वस्तु स्थिति के वास्तविक जानकार निरंतर कहते रहे हैं कि कश्मीर में जिहादी आतंकवाद पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका और यहां-वहां जम्मू-कश्मीर में अनेक स्थानों पर आतंकवादी हिंसा निरंतर जारी रही है। भारतीय सैनिक और कश्मीरी नागरिक आतंकवादियों द्वारा निरंतर हलाक़ किए जाते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म किए जाने के बाद सुरक्षा प्रबंधन की संपूर्ण शक्तियां केंद्रीय हुकूमत के हाथों में निहित रही हैं। कश्मीर में आतंकवाद की कमर तोड़ देने का केंद्रीय गृहमंत्री का दावा एकदम खोखला सिद्ध हुआ। कश्मीर घाटी की कठोर सच्चाई है कि आर्टिकल 370 को निरस्त किए जाने के बाद कश्मीर घाटी के आवाम पहले की ही तरह आतंकवाद की दहशत से पूर्णतया मुक्त नहीं हुए हैं। वर्ष 2019 में ही पुलवामा में आतंकवादी आक्रमण में सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए। केंद्रीय हुकूमत ने कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करने के लिए ऐसा कुछ भी नहीं किया, जोकि पहले से नहीं किया जा रहा था।

संसद के प्रस्ताव को जामा पहनाना होगा

भारत को आतंकवाद के प्रतिरोध को अंजाम देने में तभी कामयाबी मिलेगी,जब भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा कथित एलओसी अर्थात लाइन ऑफ़ कंट्रोल को रौंद कर पाक अधिकृत कश्मीर में पाक आईएसआई द्वारा स्थापित किए गए आतंकवादी सैन्य शिविरों पर निरंतर आक्रमण अंजाम दिए जाएं। वर्ष 1993 में भारतीय संसद एक मत से यह प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। वक्त आ गया है कि संसद के प्रस्ताव को भारतीय हुकूमत द्वारा अमली जामा पहनाया जाए और अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल करने के लिए एक बड़ी सैनिक कार्यवाही अंजाम दी जाए। अन्यथा कश्मीर में आतंकवाद का सफाया नामुमकिन रहेगा। कश्मीर पर संपूर्ण आधिपत्य स्थापित करने के लिए भारत को कूटनीति के साथ सैन्यनीति से एक निर्णायक जंग पाकिस्तान से लड़नी ही होगी।

भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई ही शेष

पहलगाम

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम हमले के बाद संपूर्ण देश का सामूहिक मानस वैसी कार्रवाई, प्रतिरोध और प्रतिशोध का इच्छुक है जिससे भारत को दोबारा ऐसी भयानक घटना का सामना न करना पड़े। यह स्वाभाविक है। एक समय जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम थी और तब भी लोगों के अंदर क्रोध पैदा होता था लेकिन आम मानस यह था कि इसे रोकना अभी संभव नहीं। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के बाद माहौल बदला, आतंकवादी घटनाओं में व्यापक कमी आई है। जम्मू के साथ-साथ कश्मीर घाटी भी धीरे-धीरे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,शैक्षणिक गतिविधियों में देश के सामान्य राज्य की तरह काफी हद तक पटरी पर लौट गई है। ऐसे माहौल में एक साथ 26 हिंदुओं तथा एक गैर मुस्लिम की हत्या के बाद उबाल स्वाभाविक है।

आतंकवाद के नाश का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भी आंतरिक और सीमा पार आतंकवाद के समूल नाश का सक्रिय संकल्प दिखाया है। मोदी सरकार ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक तथा 2018 में पुलवामा हमले के बाद हवाई बमबारी जैसी भारत की दृष्टि से अकल्पनीय मानी जाने वाली कार्रवाई करके देश का विश्वास प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने स्वयं 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी की आमसभा में केवल आतंकवादी नहीं उनको प्रायोजित करने वाली शक्तियों के विरुद्ध भी ऐसी कार्रवाई की घोषणा की जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। उनका विश्व के लिए संदेश था कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत कमर कस चुका है और कार्रवाई करेगा। कोई देश सार्वजनिक संकल्प दिखाते हुए समानांतर कदम उठाता है और उसकी पृष्ठभूमि आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की हो चुकी है तो विश्व समुदाय को भी सोच और व्यवहार को उसके अनुरूप बदलना पड़ता है। हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान के साथ एक देश नहीं खड़ा है। वे मुस्लिम देश, जो सामान्यतः जम्मू कश्मीर पर इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में उसका साथ देते थे, हिम्मत नहीं दिखा रहे। अमेरिकी विदेश विभाग की ब्रीफिंग में एक पाकिस्तानी पत्रकार के प्रश्न की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने हिकारत के भाव से उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस पर भारत के साथ हैं। सच है कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका की एफबीआई तथा तुलसी गवार्ड के निर्देशन में नेशनल इंटेलिजेंस आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में भारत के साथ खड़ा है। यूरोपीय देशों ने स्पष्ट रूप से भारत का समर्थन किया है। पाकिस्तान ने यद्यपि इस्लामाबाद में 26 देशों के राजनयिकों को बुलाकर अपनी दृष्टि से ब्रीफिंग की किंतु कोई उससे प्रभावित है, ऐसा लगता नहीं।

सिंधु जल संधि स्थगित

प्रश्न है कि भारत क्या कर सकता है, क्या करेगा और कैसी संभावनाएं हैं? घटना के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर से लौटने के बाद मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानियों को दिये हर तरह का वीजा रद करने, उन्हें देश छोड़ने, पाकिस्तानी

उच्चायोग से रक्षा और सैनिक विभाग के अपने समकक्षों को इस्लामाबाद से बुलाने तथा संख्या कम करने का अदम उठाया। इसके साथ सिंधु जल संधि स्थगित करने का अभूतपूर्व कदम उठाया। पाकिस्तान ने इसकी प्रतिक्रिया में सीनेट में प्रस्ताव पारित किया तथा आतंकवादी घटना से स्वयं को अलग करते हुए भारत पर ही बदनाम करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान का सबसे बड़ा वक्तव्य है कि सिंधु जल समझौते को रद करना युद्ध जैसा कदम है। उसने 1972 के शिमला समझौते को समाप्त करने की धमकी दी। पाकिस्तान की दुर्दशा देखिए कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक साक्षात्कार में आतंकी संगठनों के वित्त पोषण, प्रशिक्षण और समर्थन के इतिहास संबंधी प्रश्न पर स्वीकार किया कि हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए ऐसा करते रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हम अगर सोवियत संघ के खिलाफ अफगानिस्तान युद्ध या 9/11 में साथ नहीं होते तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड साफ रहता। तो इतना उन्होंने स्वीकार किया। यह भी वास्तविक सच को इस मायने में झुठलाना है क्योंकि स्थिति का लाभ उठाते हुए जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पाकिस्तान ने अपनी ओर से प्रायोजित किया और उसका पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जो एक हद तक अभी भी कायम है। विश्व के प्रमुख देशों की सूचना में ये सारी बातें हैं। इसलिए भारत ने जब 2018 में हवाई बमबारी की तो एक भी देश ने उसका विरोध नहीं किया। उस समय भी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के और व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति थे। निःसंदेह, संपूर्ण देश में पाकिस्तान के विरुद्ध सैनिक कार्रवाई या युद्ध का माहौल बना हुआ है। इस दृष्टि से देखें तो सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई बमबारी की जा चुकी तथा इसके प्रभाव भी पड़े। स्वाभाविक ही इससे बड़ी कार्रवाई की स्थिति सामने है। तो आगे क्या? जम्मू-कश्मीर के लिए आंतरिक और बाह्य दोनों स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता थी, जो हो रही है। पहलगाम के बाद उसको पूर्णता तक ले जाना अपरिहार्य हो गया है। भारत ने आंतरिक रूप से पहलगाम हमले के एक आतंकवादी अनंतनाग के बरा स्थित आदिल ठोकर उर्फ आदिल कुड़ी के घर को ध्वस्त किया तथा दूसरे आतंकवादी जैश ए मोहम्मद के आसिफ शेख का मकान तलाशी के दौरान स्वयं ध्वस्त हो गया।

भारत अब बदल चुका

यह आतंकवादियों को सीधा संदेश है कि भारत बदल चुका है। सच यही है कि जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में न केवल भारत बदला है बल्कि जम्मू कश्मीर तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी बदला हुआ है। यह पहली बार है जब आतंकवादी घटना के विरुद्ध कम या ज्यादा संख्या में संपूर्ण जम्मू कश्मीर से लोग सड़कों पर आए हैं, कैंडल मार्च और धरना प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि यह सब गृह मंत्री अमित शाह के कश्मीर दौरे के बाद ही आरंभ हुआ। अमित शाह के साथ बैठक में मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित थे और वहां कुछ बातें हुई होगी। उसके बाद नेशनल कांफ्रेंस ने पहली बार विरोध प्रदर्शन किया और महबूबा मुफ्ती जैसी पाकिस्तान के प्रति नरम नीति अपनाने वाली नेत्री को भी सड़क पर उतरना पड़ा। कश्मीर में जहां आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कार्रवाई के विरुद्ध नारे लगाते थे, पत्थरबाजी होती थी और किसी तरह आतंकवादियों के निकल भागने का रास्ता तैयार किया जाता था, उसके विपरीत यह दृश्य निश्चित रूप से महत्वपूर्ण बदलाव का संदेश है। थोड़ी गहराई और व्यापकता से विचार करें तो निष्कर्ष आएगा कि सीमा पर सैन्य कार्रवाई को छोड़कर किसी देश के विरुद्ध जितने कदम उठाए जा सकते थे, लगभग भारत ने एक बारगी उठा लिया है। इसका अर्थ है कि भारत समग्रता में दीर्घकालिक समाधान की दृष्टि से बहुपक्षीय कार्रवाई की ओर अग्रसर है।

सबक सिखाना और सीखना दोनों जरूरी

आतंकवाद

राजकुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

बड़े लोगों के परिजन अकसर विदेश में ही रहते हैं, पर कहा जा रहा है कि सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर समेत पाकिस्तान के बड़े सैन्य अधिकारियों ने परिवारों को यूरोप भेज दिया है। यह पहलगाम पर आतंकी हमले के बाद भारत-पाक में बढ़ते तनाव का असर है। उन्हें डर है कि प्रतिक्रियास्वरूप भारत बड़ी कार्रवाई कर सकता है। अभी तक सरकार ने सिंधु जल संधि स्थगित करने, पाक उच्चायोग स्टाफ घटाने, सार्क समेत 14 श्रेणियों में पाक नागरिकों को जारी वीजा तुरंत रद करने और अटारी बॉर्डर बंद करने जैसे कुछ सख्त फैसले लिये हैं। पाकिस्तान ने भी भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करते हुए जवाबी कदम उठाये हैं। यह तनाव और बढ़ सकता है। इसी साल विधानसभा चुनाव वाले बिहार में जनसभा के बजाय दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकियों को 'मिट्टी में मिला देने' की चेतावनी देते तो शायद और बेहतर संदेश जाता। बिहार को कुछ सौगातें देने के मौके पर जनसभा में मोदी ने कहा कि 'उन्हें उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा' मिलेगी। धार्मिक पहचान पूछ कर 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले मानवता के दुश्मनों को कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए, पर उनको नापाक मंसूबों में सफल हो जाने देने के लिए जिम्मेदार हमारे तंत्र पर भी तो गाज गिरनी चाहिए। पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

सुरक्षा में चूक का सवाल

हाल के वर्षों में वहां पर्यटकों की बढ़ती संख्या भी सुखद है। फिर स्विटजरलैंड से तुलना वाली पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हजारों पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कोई मौजूद क्यों नहीं था? आखिर देश भर से ये पर्यटक 'स्थिति सामान्य' होने के सरकारी दावों पर भरोसा करते हुए ही वहां गये थे। आपसी रिश्ते रसातल में पहुंच जाने के बावजूद इस संकटकाल में विपक्ष ने हर कदम के लिए सरकार को समर्थन देकर समझदारी का परिचय दिया है, लेकिन सुरक्षा में चूक की बात घुमा-फिरा कर स्वीकार करने वाली व्यवस्था खुद पर उठते सवालों का जवाब कब देगी? केंद्र सरकार के ये स्पष्टीकरण कि टूर ऑपरेटर्स ने बिना बताये टूर शुरू कर दिये तथा जहां हमला हुआ, वह जगह मेन रोड से बहुत दूर है, गैर-जिम्मेदारी की पराकाष्ठा हैं। जो सरकारी तंत्र हजारों पर्यटकों के पहलगाम पहुंचने की जानकारी के लिए टूर ऑपरेटर्स की सूचना पर निर्भर हो तथा घटनास्थल मेन रोड से बहुत दूर होने के कारण वहां पर सुरक्षाकर्मी न होने का कुतर्क दे सकता हो, उसकी क्षमता और दक्षता पर ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं रह जाती। सामान्य समझ भी बताती है कि ऐसे हमले को बिना सुनियोजित साजिश और लंबी तैयारी के अंजाम नहीं दिया जा सकता।

हमारे सत्ता तंत्र की जवाबदेही

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान द्वारा पुनः कश्मीर राग आलापे जाने तथा पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर द्वारा अचानक हिंदू-मुसलमान के बीच स्पष्ट भेद बताते हुए

द्विराष्ट्र थ्योरी पर कुतर्कों के साथ लंबे प्रवचन से भी हमारी व्यवस्था के कान खड़े नहीं हुए। वैसे जो तंत्र हमले की आशंका की खुफिया सूचना के बावजूद पर्यटक स्थलों पर भी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाया, उससे दुनिया के घटनाक्रम से सजग होने की उम्मीद नहीं जा सकती। पहलगाम जैसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था नदारद होने से सेना की घटती संख्या तथा अग्निवीर जैसी विवादास्पद योजना पर भी नये सिरे से सवाल उठने लगे हैं। तर्क दिया जा सकता है कि सुरक्षा में चूक के बाद सवाल उठना स्वाभाविक है, लेकिन इनके जवाब दूरगामी प्रभाव और परिणाम तय करेंगे।

पाकिस्तान तो अस्तित्व में आने के बाद से ही भारत में अलगाववाद और आतंकवाद फैलाने की साजिशें रचता रहा है, पर उन्हें नाकाम करते हुए देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी और जवाबदेही हमारे सत्ता तंत्र की है। इसलिए नापाक पाक पर निशाना साधते हुए भी अपनी नाकामी की जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। संविधान संशोधनों के बाद जम्मू-कश्मीर की वास्तविक कमान केंद्र सरकार और उसके प्रतिनिधि उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा के ही हाथ है। पिछले साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव हो जाने के बावजूद सुरक्षा संबंधी अहम बैठकों में निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बुलाया तक नहीं जाता। बेहद संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में निर्वाचित सरकार को नजरअंदाज कर सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद से लड़ाई में सफलता की सोच में ही विफलता निहित है। दूसरा बड़ा मुद्दा धार्मिक पहचान पूछ कर मारे जाने को बनाया जा रहा है। बेशक यह मानवता के विरुद्ध है, पर मानवता के विरुद्ध तो आतंकवाद ही है। पंजाब में आतंकवाद के दौर में भी धार्मिक पहचान के आधार पर बसों से उतार कर हत्या की जाती थी। पहलगाम में तो हिंदू पर्यटकों की जान बचाते हुए एक मुस्लिम ने अपनी जान तक गंवा दी। फिर भी देश के कई हिस्सों में कश्मीरी छात्रों को निशाना बना कर सांप्रदायिक विभाजन के पाकिस्तानी मंसूबे पूरे करने में कुछ लोग मददगार बनने को उतावले नजर आ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ही नहीं, दुनिया को भी लग रहा है कि कुछ बड़ा होगा, पर कोई नहीं जानता कि वास्तव में क्या होगा, लेकन जो भी होगा, आतंकवाद पर करारा वार होगा। मोदी के ऐसे सख्त बोल पिछली बार 14 फरवरी, 2019 को पुलवामा हमले पर सुनायी पड़े थे और 26 फरवरी को तड़के भारतीय लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया। उरी हमले के जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक के बाद यह दूसरी बार था, जब भारत ने सीमा पार कर आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखाया। उसी के बाद सरकार और भाजपा ने नारा बुलंद किया कि यह नया भारत है, जो दुश्मन को घर में घुस कर मारता है। नारा जनता के सिर चढ़ कर बोला और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें 282 से बढ़ कर 303 हो गयीं। उत्साहित मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले, संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करते हुए उसे विभाजित भी कर दिया।

प्रायोजित आतंकी हमले जारी

दावा किया गया कि अनुच्छेद 370 अलगाववाद और आतंकवाद का औजार बन गया था। बाद के सालों में जम्मू-कश्मीर में बेहतर हालात का दावा भी किया जाता रहा, लेकिन पहलगाम हमला बताता है कि सुरक्षा के मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। पाक प्रायोजित आतंकवाद के मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। हमेशा की तरह इस बार भी पाकिस्तान न भी माने, पर दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ है कि पहलगाम में सीमा पार प्रायोजित आतंकी हमला ही था, लेकिन अप्रत्याशित हरगिज नहीं था।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा फाउंडेशन की बैठक हुई आयोजित

समाजसेवा से जुड़े कार्य करने को लेकर हुई विस्तार से चर्चा

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा फाउंडेशन की एक बैठक जीआईएस कैंपस कठूमर में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में भ्रष्टाचार रिश्वतखोरी, महिला शोषण, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाकर पीड़ितों को न्याय को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में आगामी गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। साथ ही बैठक में कठूमर पुलिस थाने में दर्ज दलित उत्पीड़न के मामले में कठूमर डीएसपी से मिलने के बाद भी कार्यवाही नही होने पर नाराजगी प्रकट की गई। साथ ही जल्द ही मामलें की कार्यवाही की मांग को लेकर उच्च अधिकारी से मिलने का निर्णय लिया गया। साथ इस बीच डीएसपी से मिली प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल को सन्तुष्ट पूर्वक जवाब नही देने पर नाराजगी प्रकट की गई।

बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद गुप्ता, जयपुर संभाग अध्यक्ष अजीत सिंह सैनी, संभाग प्रभारी पीडी सैनी, कोटपुतली-बहरोड के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सैनी, एडवोकेट मुकेश सैनी, भरतपुर जिला अध्यक्ष अभय कुमार शास्त्री, अलवर जिला कार्यकारी अध्यक्ष चेतन कुमार शर्मा, करौली जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शर्मा, जिला वरिष्ठ प्रभारी सेवानिवृत्त डिप्टी डारेक्टर देवीसहाय, कठूमर तहसील अध्यक्ष शिवचरण अवस्थी, गोपाल कृष्ण शुक्ल, अरविंद शर्मा, नरेश जी, हरि ओम, नेमीचंद, सुरेंद्र सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाने हेतु विप्र फाउंडेशन की मंदारेश्वर महादेव में बैठक

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाने हेतु विप्र फाउंडेशन की बैठक मंदारेश्वर महादेव स्थित अखंड अन्नक्षेत्र में जिलाध्यक्ष श्री ललित कुमार जोशी के मुख्य आतिथ्य, नगर अध्यक्ष ईश्वर दास वैष्णवकी अध्यक्षता , विशिष्ट अतिथि डा.कीर्ति आचार्य के संपन्न हुई इस अवसर पर मंदारेश्वर मन्दिर पर यज्ञ एवम लिमथान में चार दिवसीय अनुष्ठान हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार कर दायित्व सौंपे गए। मुख्य वक्ता योगेश जोशी ने बताया कि मदारेश्वर परिसर स्थित परशुराम मंदिर में एक कुंडीय विष्णु यज्ञ प्रधान आचार्य दिव्यभारत पंड्या के आचार्यत्व एवं मुख्य यजमान प्रणव पंड्या के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अमृत सनाढ्य, कैलाश जोशी, ललित जोशी,लोकेश आचार्य,प्रजेश पंड्या, विनोद जोशी,कीर्ति आचार्य, प्रेरणा नागर, महिला प्रकोष्ठ बांसवाड़ा तहसील अध्यक्ष आशा उपाध्याय, अनीता नागर, अरुणा दीक्षित उपस्थित रहे।

अंसल टाउन अलवर चुनाव का सभी सोसायटी निवासियों ने किया बहिष्कार

मरुधर विशेष /दिनेश

अलवर अंसल टाउन के चुनाव की घोषणा के बाद अंसल टाउन के निवासियों ने एकजुट होकर चुनाव का किया बहिष्कार अंसल टाउन अलवर निवासियों का आरोप कि हमें चुनाव में शामिल नहीं होने दिया जा रहा है एवं चुनाव की कार्यकारिणी को अवैध माना डॉ राजेश कुमार ने बताया कि अंसल टाउन अलवर के चुनाव होने थे लेकिन चुनाव की प्रक्रिया को उन्होंने सर्व समिति से सभी मेंबर ने ठुकरा दिया और बताया कि हमें चुनाव से ही बाहर कर दिया आप लोग वोट नहीं डाल सकते एवं खुद ने ही समिति की घोषणा कर दी एवं पक्ष और विपक्ष का कोई भी व्यक्ति न खड़ा हुआ ना ही फार्म भरवा गए ना ही किसी प्रकार की सूचना दी गई डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया की इसीलिए हम सभी अंसल टाउन अलवर के निवासी इस चुनाव की बहिष्कार की घोषणा करते हैं डॉ राजेश ने वर्तमान अध्यक्ष से निवेदन किया है की चुनाव प्रक्रिया की सही प्रक्रिया अपनाई जाए एवं सभी सोसाइटी निवासियों को चुनाव में भाग लेने दिया जाए एवं सही प्रक्रिया को अपनाया जाए अन्यथा न्यायालय की शरण में जाना पड़ेगा

बूंदी जिले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल संवाददाता

केशोरायपाटन रजवाड़ा क्रिकेट क्लब को हुआ शुभारंभ

पार्षद ने फीता काटकर किया शुभारंभ

मरूधर विशेष

केशोरायपाटन कस्बे में रजवाड़ा क्रिकेट क्लब का बालाजी मैरिज गार्डन के सामने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जनप्रतिनिधि मनजीत मेघवाल फिता काटकर शुभारंभ किया गया आयोजित करता तुफैल नागरा ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम इनाम 15000 रखा गया प्रत्येक में 10 ओवर खेले जाएंगे इस मौके पर केशोरायपाटन जनप्रतिनिधि पार्षद मनजीत मेघवाल, पार्षद मोइनुद्दीन, पूर्व मंडल अध्यक्ष गौरव मालिक, नासिर नागरा, तोफिक, अतीत नागरा,इंद्रजीत मेघवाल जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे

भाजपा नेता एवं रामगढ़ पूर्व विधायक रामदेव आहूजा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

मरूधर विशेष

अलवर (सुनील मेघवाल) अलवर में पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा के खिलाफ शनिवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन किया गया। आजाद विद्रोही के गिगराज जोड़ली और सामाजिक कार्यकर्ता सतीश काटरवाडा बताया कि ज्ञानदेव आहूजा ने प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली के मंदिर प्रवेश पर आपत्ति जताते हुए गंगाजल से छिड़कावकर शुद्ध करने का कृत्य करते हुए सम्पूर्ण दलितों का अपमान किया था। इस घटना के बाद पूरे प्रदेश मे आक्रोश का भाव था, जिसके चलते घटना के विरोध मे दलित संगठनों मे कोर्ट द्वारा मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी, उसके बावजूद भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज नही किया।दलित संगठनों का आरोप है कि आहूजा को अभी भी भाजपा का संरक्षण मिला हुआ है। इस वजह से पुलिस द्वारा आहूजा पर कोई कार्यवाही नही की जा रही।इस घटना को लेकर शनिवार को अम्बेडकर सर्किल से शालीमार तक पैदल मार्च निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों की पुलिस से जोरदार झड़प होना बताया गया। पुलिस ने आंदोलन को कमजोर करने के लिए आंदोलनकारियो को डिटेन किया। आंदोलन के दौरान विशेष आकर्षण का केंद्र यह रहा कि छुआछूत करने वाले को कुत्ते से संज्ञा देकर कुत्तो के पोस्टर लहराए। इस दौरान प्रदेश के कई आंदोलनकारी उपस्थित रहे। जिनमे रवि मेघवाल, गिगराज जोड़ली आजाद विद्रोही, सतीश काटरवाड़ा दौसा, भागचंद बैरेर, जीवनराम वर्मा, राजेंद्र मेघवंशी, मूलचंद मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता हरिश कुंद्रा, धर्मवीर, रिंकू पार्षद, अजय हुड्डा सहित काफी संख्या में आंदोलनकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूर्व मे ज्ञानदेव आहूजा के मानसरोवर स्थित आवास पर रवि मेघवाल व गिगराज जोड़ली ने कालिख पोतकर मामले को तूल दी थी।

नीमराना पुलिस ने अनंतराज सोसाइटी में चलाया सघन चेकिंग अभियान

अनैतिक कार्यों में तीन युवतियों सहित 13 लोग गिरफ्तार

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र में स्थित अनंतराज हाउसिंग सोसाइटी 236 में पुलिस ने शनिवार अल सुबह सघन चेकिंगअभियान चलाया। नीमराना थाना प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि नीमराना की अनंतराज हाउसिंग सोसाइटी 236 में पहुंचकर संदिग्ध एवं अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर सघन चेकिंग अभियान के तहत कार्यवाही की गई । कार्यवाही के तहत फ्लैटों में रह रहे लोगों के पहचान पत्र एवं अन्य दस्तावेज चेक किए गए । इस दौरान संदिग्ध एवं अनैतिक गतिविधियों में लिप्त 3 युवतियों सहित कुल 13 लोगो को हिरासत में लिया गया । पुलिस की कार्रवाई देख सोसाइटी में हड़कंप मच गया।कार्रवाई के तहत अमन पुत्र जयकिशन जाति ब्राह्मण निवासी नेहरू कॉलोनी थाना गऊकरण चोगी, रोहतक हरियाणा, योगेश पुत्र जगदीश प्रसाद जाति माली निवासी बर्डोद, रविप्रकाश यादव पुत्र होशीयार सिंह जाति यादव निवासी माचरोली थाना किशनगढ़बास, अंकित मीना पुत्र हजारीलाल जाति मीना निवासी नरसिंहपुरा थाना पनियाला, कोटपुतली, अमित पुष सुभाष सिंह जाति जोगी निवासी कलवाड़ी थाना दोगंडा जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा, मनीष सिंघल पुष बीरसिंह जाति बणिया निवासी पालम थाना लादनगर, नई दिल्ती, नरेन्द्र मीणा पुत्र अमरसिंह जाति मीना निवासी रायकरणपुरा थाना पनियाला, कोटपूतली, सुमन कुमारी पुत्री किशनमंडल जाति राजपूत निवासी राजीव नगर गली नम्बर 06, थाना गुरुग्राम सैक्टर 06, सुनीता पाण्डेय पत्नी राजकुमार जाति ब्राह्मण निवासी महिपालपुर माता चौक गली न 03, बसंतकुंज, दिल्ली, शीतल पत्नी अशोक जाति ब्राह्मण निवासी सायपुर थाना बसई, धौलपुर, संजय यादव पुत्र रामपाल जाति यादव निवासी डूमरोली थाना नीमराना, अनूप पुत्र यसवन्त सिंह जाति अहीर निवासी माजरी कला थाना नीमराना, नरेन्द्र उर्फ चोटीवाला पुत्र राजाराम जाति अहीर निवासी गण्डाला को अनैतिक व संदिग्ध कार्यों में लिप्त होने पर गिरफ्तार किया है

विप्र पदाधिकारियों द्वारा जल संसाधन विभाग संभाग बांसवाड़ा के मुख्य अभियंता अजय कुमार त्यागी के कार्य ग्रहण करने पर स्वागत किया

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा द्वारा प्रदेश महामंत्री श्री योगेश जोशी के नेतृत्व में विप्र पदाधिकारियों द्वारा जल संसाधन विभाग संभाग बांसवाड़ा के मुख्य अभियंता श्री अजय कुमार त्यागी के कार्य ग्रहण करने पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ललित कुमार जोशी, जिला महामंत्री शशि कुमार शर्मा , लोकेश आचार्य, सहायक अभियंता हिमांशु भट्ट, भाविक त्रिवेदी,अमित वाजपेई, भुवनेश पाटीदार उपस्थित रहे।

रीविजन सर्जरी से संभव है बिगड़े घुटने का फिर से उपचार

समय के साथ खराब हुए इम्प्लांट को नई तकनीक से सुधारा जा सकता है

मरूधर विशेष

जयपुर। बढ़ती उम्र, जीवनशैली और जोड़ों की समस्याओं के चलते घुटनों के रिप्लेसमेंट की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि अधिकतर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी सफल रहती हैं, फिर भी समय के साथ कुछ मामलों में इम्प्लांट ढीले पड़ सकते हैं या खराब हो सकते हैं। ऐसे में मरीजों को दर्द और असुविधा का फिर से सामना करना पड़ता है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। रीविजन रिप्लेसमेंट सर्जरी के जरिए मरीज को एक बार फिर से नया और बेहतर घुटना मिल सकता है।

क्या है रीविजन सर्जरी

राजस्थान हॉस्पिटल के सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस सोनी ने बताया कि रीविजन टीकेआर एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें पुराने इम्प्लांट को हटाकर नए इम्प्लांट लगाए जाते हैं। आमतौर पर यह तब किया जाता है जब पुराने कृत्रिम जोड़ की पकड़ ढीली हो जाती है, इम्प्लांट क्षतिग्रस्त हो जाता है या संक्रमण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। डॉ. सोनी के अनुसार, कभी-कभी केवल जोड़ के कुछ घटकों को बदला जाता है, जबकि कुछ मामलों में तीनों मुख्य हड्डियों – फीमरल, टीबियल और पैटेलर – के साथ-साथ घुटने के आसपास की हड्डियों का भी पुनर्निर्माण करना पड़ता है।

कब जरूरी होती है रीविजन टीकेआर

डॉ. एसएस सोनी ने बताया कि इम्प्लांट का मजबूती से हड्डी से जुड़े रहना अत्यंत आवश्यक है। यदि पकड़ ढीली हो जाए तो मरीज को चलने-फिरने में कठिनाई और घुटनों में फिर से दर्द शुरू हो जाता है। अधिक शारीरिक गतिविधि, अत्यधिक वजन, संक्रमण या चोट जैसे कारणों से यह समस्या बढ़ सकती है। सटीक निदान के लिए चिकित्सकीय परीक्षण किए जाते हैं और फिर दो से तीन घंटे की सर्जरी में घुटने को फिर से ठीक किया जा सकता है।

सामान्य सर्जरी से अधिक जटिल होती है रीविजन सर्जरी

रीविजन सर्जरी सामान्य जॉइंट रिप्लेसमेंट की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होती है। डॉ. एसएस सोनी बताते हैं कि इसमें पुराने इम्प्लांट को हटाना, घिसी हुई हड्डियों का प्रबंधन करना और नए जोड़ को सटीकता से स्थापित करना शामिल है। इस प्रक्रिया में विशेषज्ञता और अनुभव की अत्यंत आवश्यकता होती है। इसलिए रीविजन सर्जरी हमेशा अनुभवी सर्जन से ही करवानी चाहिए।

यूपीएससी परीक्षा में खेरली तर्फ नूनिया गांव की आशा मीना ने हासिल की 880वीं रैंक

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर । डॉ अंबेडकर सामाजिक विकास समिति खेरली तर्फ नूनिया द्वारा शनिवार को यूपीएससी की सिविल परीक्षा में गांव की आशा मीना ने 880वीं रैंक हासिल करने पर साफा माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। 30 वर्षीय आशा मीना 2020 से केंद्रीय जीएसटी, आगरा में कार्यरत थीं। इससे पहले, उन्होंने एक आईटी स्टार्टअप में भी काम किया था। उन्होंने एमएनआईटी जयपुर से सूचना प्रौद्योगिकी इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। उनके पिता बलधारी मीना 2022 में डाकघर से सेवानिवृत्त हुए। उनकी माँ एक गर्वित गृहिणी हैं। उनके दो बड़े भाई हैं, जो इस पूरी यात्रा में चट्टान की तरह उनके साथ खड़े रहे। अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और बड़े भाइयों, अजय और विजय को देते हुए, वह कहती हैं कि यदि आपका परिवार आपके साथ है, तो आप सचमुच दुनिया जीत सकते हैं। इस मौके पर भजनलाल बैरवा प्रीतम जाजोरिया, रामेश्वर, ओमप्रकाश, महेश, राजू, पीतम,मनोज, राकेश शास्त्री, कपूर चंद आदि लोगे मौजूद रहे।

गोपी लाल उप प्राचार्य से प्राचार्य तथा राकेश सिंह वरिष्ठ अध्यापक से प्राध्यापक बने

ग्रामीणों एवं स्कूल स्टाफ ने किया सम्मान

मरूधर विशेष

मुंडावर (रमेशचंद) मुंडावर उपखंड के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय जालावास मनेठी से पदोन्नत हुए गोपीलाल उपप्राचार्य से प्राचार्य बनने एवं राकेश सिंह वरिष्ठ अध्यापक से प्राध्यापक बनने की खुशी में ग्राम विकास समिति अध्यक्ष दयाराम यादव के नेतृत्त्व में शनिवार को ग्रामीणों एवं विद्यालय के स्टाफ सदस्यों द्वारा उनका साफा एवं पटके के द्वारा सम्मान एवं अभिनन्दन किया गया व दोनों के द्वारा विद्यालय के सर्वांगीण विकास में उनके योगदान की प्रशंसा की गई।इससे पूर्व वरिष्ठ अध्यापक राकेश सिंह द्वारा स्कूल स्टाफ एवं गणमान्य लोगों को सामूहिक भोजन की दावत दी गई । उपप्राचार्य गोपीलाल का प्राचार्य के पद पर प्रमोशन गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बराडा तथा वरिष्ठ अध्यापक राकेश सिंह का प्राध्यापक बायोलॉजी के लिए महात्मा गांधी गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल आऊवा पाली में प्रमोशन हुआ है।इस अवसर विद्यालय प्राचार्य प्रवीण कुमार यादव , प्राध्यापक वीरेंद्र कुमार ,महेंद्र सांगवान एवं मनोज कुमार सहित वरिष्ठ अध्यापक सुमित्रा यादव,अतर सिंह ,गिरधारी लाल, शिक्षक सुनील कुमार शर्मा,मंजू बाई, मनीषा यादव,अनिकेत कुमार, मुस्कान,नीरू,एकता,मनोज कुमार, इंद्र सिंह, कुलदीप कुमार सहायक कार्मिक उपस्थित रहे । विद्यालय विकास मैनेजमेंट कमेटी सदस्य रमेश कुमार एवं अनेक ग्रामीण और अभिभावकगण के साथ एस एम सी एवं एस डी एम सी सदस्य सहित विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामीण मौजूद रहे ।

मल्टीपल मायलोमा के इलाज में नया ट्रीटमेंट बाइट थेरेपी

इलाज के परिणाम कहीं बेहतर दे रही बाइट थेरेपी

मरूधर विशेष

जयपुर। मल्टीपल मायलोमा, रक्त के प्लाज़्मा कोशिकाओं का एक प्रकार का कैंसर है, जिसमें असामान्य कोशिकाएं बोन मैरो में बढ़ने लगती हैं और स्वस्थ कोशिकाओं को बाधित करती हैं। इस जटिल रोग के उपचार में विज्ञान ने अद्भुत प्रगति की है, और उनमें से एक नवीनतम तकनीक है बाय-स्पेसिफिक टी-सेल एंगेजर (बाइट) थेरेपी।

बाइट थेरेपी के फायदे -

बाइट थेरेपी के प्रमुख लाभों में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि यह उपचार सीधे रोग की जड़ पर प्रहार करता है, जिससे कैंसर कोशिकाओं का नाश अधिक प्रभावी ढंग से होता है। डॉ उपेन्द्र शर्मा ने जानकारी दी कि अन्य पारंपरिक उपचारों की तुलना में इसमें स्वस्थ कोशिकाओं

को कम क्षति पहुँचती है, जिससे मरीज की सामान्य प्रतिरक्षा शक्ति सुरक्षित रहती है। विशेष रूप से उन मरीजों में, जिनमें दवाओं के प्रति प्रतिरोधकता विकसित हो चुकी थी, बाइट थेरेपी ने सकारात्मक और उत्साहजनक परिणाम दिखाए हैं।

कैसे काम करती है बाइट थेरेपी

महावीर कैंसर हॉस्पिटल के सीनियर हिमेटोलॉजिस्ट डॉ उपेन्द्र शर्मा ने बताया कि बाइट थेरेपी एक बायोलॉजिकल ट्रीटमेंट तकनीक है, जिसमें एक विशेष प्रकार का बाय-स्पेसिफिक एंटीबॉडी प्रयोग होती है। यह एंटीबॉडी एक साथ दो लक्ष्य साधती है। पहला, यह शरीर की टी-कोशिकाओं (प्रतिरक्षा कोशिकाएँ) से जुड़ती है और दूसरा, यह कैंसर कोशिकाओं को पहचानती है। बाइट थेरेपी शरीर की टी-कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं के विरुद्ध इकट्ठा करती है। परिणामस्वरूप, शरीर स्वयं अपनी रोग प्रतिरोधक सेना के बल पर मायलोमा कोशिकाओं को खत्म करने में सक्षम हो जाता है।

इसके अलावा, इस तकनीक से रोग के दोबारा लौटने की आशंका भी कम होती है, जिससे मरीजों को लंबे समय तक राहत मिलती है। कुल मिलाकर, बाइट थेरेपी के माध्यम से मरीजों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है, जो बीमारी को अच्छे तरीके से नियंत्रित करती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक रूप से एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर करती है। डॉ. उपेन्द्र शर्मा के अनुसार, जिन रोगियों पर अब तक की दवाएँ असफल हो गई थीं, उनके लिए बाइट थेरेपी एक वरदान सिद्ध हो रही है। यह उपचार न केवल रोग नियंत्रण में सहायता करती है, बल्कि मरीजों को पुनः एक सामान्य और सक्रिय जीवन की ओर लौटने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर भव्य शोभायात्रा का निमंत्रण पत्र गांवो मे दिये

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर भव्य शोभायात्रा का निमंत्रण पत्र गांवो मे दिये। विप्र सेना द्वारा आयोजन भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर भव्य शोभायात्रा का निमंत्रण पत्र नवागांव ठीकरीया,मारुती कॉलोनी और सागडोद गांवो मे दिया गया तथा अधिक से अधिक संख्या मे आने का आग्रह किया ये अवसर पर राष्ट्रीय सचिव मुकेश पाठक, जिलाध्यक्ष मिलन पंड्या, युवा जिलाध्यक्ष मयंक व्यास,रजनीकांत शुक्ला, राकेश त्रिवेदी, आशीष त्रिवेदी, सुमित त्रिवेदी, विनोद ठाकुर, सुनील दवे, जय प्रकाश व्यास, हरीश ठाकुर, शिव जोशी आदि उपस्थित थे।

वागड़ प्रान्तीय सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज शिक्षा प्रचार समिति के आगामी 11 मई को अध्यक्ष पद के चुनाव

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः वागड़ प्रान्तीय सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज शिक्षा प्रचार समिति के आगामी 11 मई को अध्यक्ष पद के निर्वाचन हेतु 31 मार्च को साधारण सभा की बैठक में लिए गये निर्णय की पालना करते हुए अस्थाई मतदाता सूची तैयार करने के लिए बनी समिति सदस्यों डॉ.पीयूष जोशी ललित द्विवेदी निर्मित उपाध्याय विनयभूषण भट्ट एवं मुकेश पंड्या ने 25 अप्रैल को सूची तैयार कर मुख्य निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट कृष्णकांत उपाध्याय एवं एडवोकेट दीपक जोशी के समक्ष प्रस्तुत की, निर्वाचन अधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के पश्चात समाज के बांसवाड़ा स्थित छात्रावास भवन परिसर में आज एडवोकेट दीपक जोशी, पुर्व अध्यक्ष जमनालाल भट्ट, एवं अस्थाई मतदाता सूची तैयार करने वाले सदस्यों में से उपस्थित सदस्यों के द्वारा सूची चस्पा करने की कार्रवाई सम्पन्न की गयी। मतदाता सूची में नाम संशोधन या किसी आपत्ति के प्रस्ताव निर्वाचन समिति के समक्ष लिखित में दिनांक 29 अप्रैल सायं 5 बजे तक छात्रावास स्थित कार्यालय में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। पश्चात 30 अप्रैल को स्थाई मतदाता सूची प्रकाशित की जायेगी। 4 मई को प्रातः 11 से तीन बजे तक छात्रावास कार्यालय में इच्छुक आवेदक पत्र स्वीकार किये जायेंगे। 6 मई को सायं तीन बजे तक नाम वापसी की जा सकती है आवश्यकता होने पर 11 मई को प्रात 10 से चार बजे तक मतदान प्रक्रिया सम्पन्न की जायेगी। अस्थाई मतदाता सूची में 657 सदस्यों के अतिरिक्त सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज बांसवाड़ा डूंगरपुर के समस्त ईकाई अध्यक्ष/ चौखराध्यक्ष एवं दोनों जिलों के जिलाध्यक्ष पदेन सदस्य के रूप में मतदाता रहेंगे।

राष्ट्रभक्ति ही सबसे बड़ी सेवा मानकर करें कार्यः ओम बिड़ला

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के बून्दी में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए लोकसभाध्यक्ष व कोटा के सांसद ओमकृष्ण बिड़ला कहा कि राष्ट्रभक्ति ही सबसे बड़ी सेवा मानते हुए कार्य करे।उन्होंने कहा कि पूरे देश मे समान वेतन व डीए देने की मांग केंद्र तक पंहुचाई जावेगी।उन्होंने देश के कोने कोने से आये पदासीन व सक्रिय कार्यकर्ताओ का अभिनंदन किया। उन्होंने भामस के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के आदर्शों की चर्चा करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने,संगठन को मजबूती देने तथा राज्य एवं देश के सतत विकास करते रहने का आह्वान किया। साथ ही गुणवत्तापूर्ण व संस्कारित शिक्षा बेहतर चिकित्सा सेवाओ का लाभ प्रत्येक गांव तथा ढाणी, परिवार तक पहुंचाने में सरकार के प्रयासों पर चर्चा की।साथ ही साथ कार्मिको द्वारा स्वयं में टेक्नोलॉजी की दक्षता विकसित करने के लिए तथा समाज व देश हित मे लगातार जुटे रहने की बात कही। राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के बांसवाड़ा जिला अध्यक्ष अनिल पंड्या एवं जिला संगठन मंत्री गमीरचंद पाटिदार ने अवगत करवाया कि कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ शारदे,माँ भारती व श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।तत्पश्चात आदर्श विद्या मंदिर की बालिकाओं द्वारा राष्ट्रगीत की प्रस्तुति की गई।इस अवसर पर राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामंत्री राकेश शर्मा व इंद्रा -अनुराधा शर्मा द्वारा प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया गया।तथा राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष मेघवाहन सिंह ने मंचासीन अतिथियो का परिचय करवाया। कार्यक्रम के अतिथि राज्य केबिनेट मंत्री श्री हीरा लाल नागर ने मौजूद सभी कार्मिको से राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करते रहने का आह्वान किया।महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन डोगरा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में वर्तमान में भामस की सदस्य संख्या को 3 करोड़ के करीब बताते हुए सबसे अनुशासित संगठन बताया

उन्होंने एक देश एक वेतनमान को लागू करवाने की मंच से अपील की तथा दो दिवसीय आयोजित कार्यक्रमो पर प्रकाश डालते हुए मंचासीन अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत मे पहलगाम में हुए आतंकी हमले की सम्मानित मंच द्वारा भर्त्सना की गई।शहीदों के सम्मान में दो मिनिट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में कर्मचारी महासंघ के प्रदेश संगठन मंत्री विजय सिंह धाकड़ दिनेश भट्ट अनुराधा शर्मा सरोज यादव सुनीता महावर अरविंद त्रिपाठी विकास दीक्षित जोधराज परिहार सुदेश गौतम रूपेंद्र खंडेलवाल रितेश सोनी गिरिराज दलजीत सिंह रामप्रताप सिंह रमेश व्यास यशवंत जोशी शैलेश उपाध्याय जयेश भावसार सहित सम्बद्ध संगठनों के हजारो पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित

अलवर जिला खो -खो की संघ की बैठक 27 अप्रैल को

मरूधर विशेष। दिनेश लेखी

कठूमर । अलवर जिला खो-खो संघ की साधारण सभा की बैठक 27 अप्रैल को आयोजित होगी। जिला अध्यक्ष रवि दत्त शर्मा एडवोकेट ने बताया कि जिला खो -खो संघ अलवर की 27 अप्रैल को प्रातः 9:00 बजे कंपनी बाग अलवर में आयोजित होगी द्य जिसमें खो -खो संघ को अत्यधिक सक्रिय एवं गतिशील बनाए रखने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी द्य बैठक में संघ के जुड़े हुए सभी पदाधिकारी, खिलाडियाँ एवं संघ से संबद्ध सभी क्लबो के सदस्य अधिकाधिक संख्या में मौजूद रहेंगे

बाबा अमरनाथ की बरसी पर हवन और भंडारा 27क़ो

मरूधर विशेष सुनीता सैनी

बावल नजदीक गांव बनीपुर मे श्री श्री 1008 बाबा अमरनाथ की बरसी 27 अप्रैल को से मनाई जाएगीबाबा अमरनाथ सेवा समिति के सदस्य नें बताया की हर वर्ष बरसी मनाई जाती है बाबा की दिल्ली सहित दूर दूर तक प्रसिद्ध फैली हुई है सवा आठ बजे हवन कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा सवा नो बजे शोभा यात्रा निकाली जायगी और सवा ग्यारह बजे भंडारा आयोजित किया जायेगा जिसकी तैयारिया शुरू की जा चुकी है कार्यक्रम मे लोग बदचड़कर भाग लेते है उन्होंने कहा कार्यक्रम क़ो लेकर युवाओं मे जोश है

धूमधाम से निकली सेन जी महाराज की शोभायात्रा

मरूधर विशेष

केशोरायपाटन बूंदी ज़िले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल संवाददाता मध्यकाल में सामाजिक पुनरुत्थान के पुरोधा, सत्य अहिंसा, सद्भावना और प्रेम के प्रतीक महान समाज सुधारक संत शिरोमणि सैन महाराज की 725वीं जन्मोत्सव पर केशोरायपाटन सेन नवयुवक मंडल के तत्वाधान में सेन समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। प्रातः काल मुरलीधर महाराज, सेन जी महाराज एवं नारायणी माता का दुग्धाभिषेक कर पूजा अर्चना की गई सेन नवयुवक मंडल के द्वारा समाज के समाज बंधु जिन्होंने राजकीय सेवा से सेवानिवृत्ति प्राप्त की है,नए राजकीय सेवा में प्रवेश करनेवाले,बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले एवं समाज सेवीयो का ऊपरना पहना कर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। इसके पश्चात शोभा यात्रा का आयोजन केशवराय मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर केशवराय पाटन के मुख्य बाजारों से निकलता हुआ मुरलीधर जी महाराज के मंदिर पर महाआरती से समाप्त हुआ। नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का जगह-जगह पर स्वागत किया । इसके पश्चात सभी समाज बंधुओ ने मंदिर प्रांगण में भोजन प्रसादी ग्रहण की। सेन मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार सेन के द्वारा बताया गया का इस प्रकार के आयोजनों से सभी समाज बंधु एकजुट होकर एक जगह एकत्रित होते हैं जिससे समाज में एकता का संदेश जाता है।नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार सेन के द्वारा सभी समाज बंधुओ का धन्यवाद अर्पण किया।

युवक ने पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की कोशिश, रस्सी टूटने से बची जान, गृह क्लेश से परेशान था युवक

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर। कस्बे के सुभाष चौक के पास एक युवक पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की कोशिश कर रहा था। घटना को देख आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और प्रशासन को इसकी सूचना दी गई।। घटना की सूचना मिलते ही बानसूर थाना प्रभारी सुरेन्द्र मलिक मय जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे और दमकल सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे गए और युवक को पेड़ से रेस्क्यू करने का प्रयास किया गया। घटना शनिवार सुबह करीब 9 बजे की सुभाष चौक के पास की है। जहां मालियों की ढाणी के रहने वाले पूर्ण सैनी (30) पुत्र रूपचंद सैनी सुभाष चौक के पास पीपल के पेड़ में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा था । घटना को देख आसपास के लोगों की भीड जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दमकल को मौके पर बुलाया और युवक को रेस्क्यू करने का प्रयास किया गया। जिसमें पुलिस ने तीन युवकों को पेड़ पर चढ़ाया और युवक को रस्सी के सहारे नीचे उतारा गया लेकिन 5 -6 फिट पहले रस्सी टूट गई और युवक नीचे गिर गया। युवक को तुरंत एम्बुलेंस की सहायता से बानसूर उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

थाना प्रभारी सुरेन्द्र मलिक ने बताया कि शनिवार सुबह सूचना मिली कि एक युवक सुभाष चौक पर पीपल के पेड़ में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंचे ,जहां युवक पेड़ में फांसी लगाने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान तीन युवकों को ऊपर चढ़ाया गया जिसमें युवकों युवक को पकड़कर पेट पर रस्सी बांधकर नीचे उतारा गया।। लेकिन 5-6 फिट पहले ही रस्सी टूट गई और युवक नीचे गिर गया । पुलिस ने तुरंत युवक को बानसूर उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि युवक बानसूर में ऑटो चलाता है।।घटना को लेकर युवक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

बानसूर में युवक का दिनदहाड़े अपहरण, मारपीट कर 50 हजार रूपये छीने, नीमराना में होटल पर पटककर फरार

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी कस्बे के अलवर बाईपास पर 24 अप्रैल की शाम को दिनदहाडे 21 वर्षीय हेम सिंह गुर्जर को तीन गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों ने अपहरण कर लिया।। गाड़ियों में सवार करीबन डेढ़ दर्जन बदमाशों ने युवक को एक गाड़ी से दूसरी गाड़ी में बदलकर बहरोड के नीमराणा तक ले गए।अपहरणर्ताओं ने युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की। युवक के शरीर पर मारपीट के निशान स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित युवक ने बताया कि मुझे पता नहीं यह लोग कौन थे और मुझे क्यों ले गए और मेरे से फिरौती भी मांगी गई। मेरी जेब से 50000 निकाल लिए और?100000 की फिरौती मांगी गई और फिरौती नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। बदमाशों ने युवक के पिता से बात कर युवक को जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित के पिता ने पुलिस कंट्रोल रूम में इसकी सूचना दी गई।

सूचना पर बानसूर थाना पुलिस एवं बानसूर डीएसपी दशरथ सिंह ने इस मामले को लेकर तरपता दिखाई। पुलिस के दबाव को देखते हुए बदमाश युवक को नीमराना में एक होटल पर छोड़कर फरार हो गए। बता दे कि पीड़ित युवक हेम सिंह गुर्जर एक लाइब्रेरी में अध्यापक हैं और 24 अप्रैल की शाम को गांव से आते समय बदमाशों ने कस्बे के बाईपास अलवर रोड पर इस घटना को अंजाम दिया है। वहीं बदमाशों की एक मारुति गाड़ी खराब हो गई जिसको छोड़कर चले गए ।पुलिस ने गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि अभी तक पुलिस ने इस मामले को जांच कर रही है। पुलिस ने पीड़ित युवक का मेडिकल करवाया है। युवक के शरीर पर लाठी डंडों के निशान दिखाई दे रहे हैं। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

नमीनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण के उपलक्ष में निवार्ण लाडू चढ़ाया गया

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़ः नोगामा 22 वे तीर्थंकर भगवान नमीनाथ के मोक्ष कल्याण के उपलक्ष्य में आज प्रातः 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नौगामा 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर नौगामा सुखोदय तीर्थ नसिया जी में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य

पिंडारमिया राजेश कुमार छगनलाल पंचोरी मनोज सागरमल को प्राप्त हुआ इस अवसर पर भगवान नमीनाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया निर्वाण लाडू चढ़ाने का प्रथम सौभाग्य पंचौरी गीतांश विपुल पंचोरी अतुल सुरेश चंद्र को प्राप्त हुआ इस अवसर पर महिला मंडल एवं जैन पाठशाला के छात्रों द्वारा भगवान नमीनाथ की सामूहिक रूप वाद्य यंत्रों के मधुर स्वर लहरों के साथ से पूजन की गई एवं बालिका मंडल द्वारा भक्तांबर विधान के 48 दीप प्रज्वलित किए गए उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई पूजन का संचालन पंचोली भरत कुमार अमृतलाल व वीणा दीदी द्वारा किया गया।

लड़की का कुआ पूजन कर पूर्व सैनिक नें की मिशाल क़ायम

मरूधर विशेष

सुनीता सैनी बावल नजदीक गांव खरकड़ी में लड़की का कुआं पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया व लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई लड़की के दादा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में तैनात थे लड़की मन्नू का जन्म 8 अप्रैल को हुआ था आज उसका कुआं पूजन व भोजन कार्यक्रम किया गया डीजे के साथ महिलायो दुवारा खुशियां मनाई गई लड़की के पिता मनीष ने बताया कि वर्तमान समय में लड़का और लड़की समान है लड़की किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं है लड़की क़ो भी भी लड़के की तरह पूरा मान सम्मान मिलना चाहिए उन्होंने बताया की महिलाओ दुवारा डीजे के साथ कुआ पूजन कार्यक्रम किया गया जिसकी चर्चा आसपास गावों मे भी होने लगी है लोगो के लिए भोजकार्यक्रम भी आयोजित किया गया है जिसमें सभी लोग शामिल हुए हैं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से सेवानिवृत राजसिंह लड़की के दादा नें बताया की जबकि उनके बेटे नें लड़की का भी लडके की तरह कुआ पूजन व् अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के बारे मे कहा तो उन्होंने खुशी खुशी उसके प्रस्ताव का स्वागत किया उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी हो रही है वर्तमान समय में लड़कियों को लड़कों के बराबर मान सम्मान मिल रहा है उन्होंने कहा कि बेटियां देश के हर क्षेत्र में आज लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं इस अवसर पर आज कुआं पूजन के साथ- भोज के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आसपास के हजारों लोग शामिल हुए डीजे के साथ खुशी धूमधाम से लड़की का कुआं पूजन किया गया लड़की के पिता मनीष ने बताया कि उनके पहले एक लड़का डेढ़ साल का हो चुका है दूसरी लड़की हुई है इसलिए लड़का और लड़की में भेदभाव में हो इसके लिए उन्होंने दोनों को समान रूप से कार्यक्रम आयोजित किया है

बांसवाड़ा की बेटी ने इंदौर में लहराया परचम

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः मध्यप्रदेश टेनिस संघ के द्वारा क्वींस कॉलेज ऑल इंडिया टेलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन इंदौर टेनिस क्लब में किया गया। जिसमें बालिका वर्ग में बांसवाड़ा राजस्थान से खुश्वी पडियार ने रोमांचक मुकाबले में मध्य प्रदेश की अहाना फलजले को 3-6, 6-1 एवं 6-0 से पराजित किया।खुश्वी ने बताया कि तीन वर्ष के अनथक व निरन्तर प्रयास से यह सफलता पाई है साथ ही अपने कोच कमलेश गरासिया सह कोच गोपाल गरासिया मणिलाल गरासिया के साथ बांसवाड़ा टेनिस के समस्त खिलाडियों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। अखिल भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

बानसूर में पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में श्रद्धांजलि सभा

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर। रोटी बैंक ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की धर्म के आधार पर निर्मम हत्या के विरोध में कस्बे के हरसौरा चौक पर स्थित बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा के सामने एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस सभा में सर्व समाज के लोगों ने एकत्रित होकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखा। विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने हाथों में "मैं हिंदू हूं" और "पाकिस्तान मुर्दाबाद" लिखी तख्तियां लेकर आतंकवादियों की इस कायरतापूर्ण हरकत पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने भारत सरकार से इस जघन्य नरसंहार का बदला लेने की मांग की। इससे पूर्व, आक्रोशित लोगों ने पाकिस्तान के नक्शे का पुतला जलाया और पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

छात्रावास परिसर बांसवाडा मे अस्थाई मतदाता सूची चस्पा की गई

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः दिनांक 25 अप्रैल 2025 शुक्रवार को छात्रावास परिसर बांसवाडा मे दीपक जोशी एडवोकेट जमनालाल भट्ट संरक्षक महोदय डॉ. पियूष जोशी महा सचिव निर्मित उपाध्याय कोषाध्यक्ष ललित द्विवेदी कार्यालय मंत्री की उपस्थिती मे अस्थाई मतदाता सूची चस्पा की गई।दिनांक 30 अप्रैल 2025 को स्थाई सूची चस्पा कर दी जाएगी।

वैश्य समाज कठूमर की कार्यकारिणी हुई घोषित, 21 जनों को किया शामिल

मरुधर विशेष। दिनेश लेखी

कठूमर । वैश्य समाज कठूमर के अध्यक्ष लोकेश जैन ने जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता व प्रभारी जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र गोयल की सहमति से शनिवार को अपनी कार्यकारिणी घोषित करते हुए इक्कीस जनो? को शामिल किया है। वैश्य समाज के पूर्व अध्यक्ष महेश खंडेलवाल कार्यकारिणी के संरक्षक होंगे। वैश्य समाज के अध्यक्ष लोकेश जैन ने अपनी कार्यकारिणी में गगन खंडेलवाल को महामंत्री, छैल बिहारी अग्रवाल को कोषाध्यक्ष,अनिल कूलवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष,पारस जैन व ग्रीस बंसल को उपाध्यक्ष, लोकेश पंसारी व मनोज आमेरिया व शैलू अग्रवाल को मंत्री, रविन्द्र खंडेलवाल व रवि जैन टिटपुरी, गोलू खंडेलवाल को सदस्य बनाया है। इसके अलावा कार्यकारिणी में मोतीलाल बजाज,सुभाष अग्रवाल, रमनलाल अग्रवाल, बबली रावत, मोहनलाल ठाकुरिया, संजय जैन, अशोक जैन पल्लीवाल को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। कार्यकारिणी का आगे विस्तार भी किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन बाल विवाह के बारे में स्कूली बच्चों को किया जागरूक

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति बहरोड के तत्वाधान में शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीमराना में विधिक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। जहां पर न्याय मित्र किरण ने उपस्थित विद्यार्थियों व शाला स्टाफ को बाल विवाह (अपराध व सामाजिक अभिशाप) के बारे में बताया कि भारत में और विशेष कर राजस्थान में बच्चों की छोटी उम्र में शादी की कुरीति को रोकने के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 लागू किया गया। जिसमें लड़के की आयु 21 व लड़की की 18 वर्ष से कम है तो वह विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आ जाता है।यह कानूनन अपराध है और बाल विवाह की सजा के तौर पर 2 वर्ष तक का कारावास व एक लाख रुपए तक का जुर्माना भी होता है। जिसमें हर वह सदस्य बाल विवाह का अपराधी होता है,जो बाल विवाह में किसी न किसी रूप में शामिल होता है। इसलिए हमें बाल विवाह के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक होने की जरूरत है जिससे समाज में बाल विवाह को रोका जा सके और बच्चों को उच्च शिक्षा देकर उन्हें अपना भविष्य बनाने का संकल्प दिलाया जाए। इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल पुष्पा यादव, अरुणा यादव,प्रमिला, पूनम,सचिन, कपिल सहित स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732